

Om Shanti Divine Angels!!!

Points to Churn: January 09, 2014

Praise of the Father: The constantly Righteous...Yogeshwar...Spiritual Father...Unlimited Father...Ocean of Knowledge...Ocean of Love...is the Messenger...

Knowledge: This is the sword of knowledge and the arrows of knowledge. Krishna is also called Yogeshwar. Yogeshwar taught him yoga and so he became that. Ishwar (God) is teaching you yoga. This is why the names 'Yogeshwar' and 'Yogeshwari' are given. It is at this time that you are also 'Gyaneshwar' and 'Gyaneshwari'. Then you will go and become Raj-Rajeshwari (princes and princesses).

Yoga: Sit here in soul consciousness. It should not be that your intellects continue to wander outside. You have to remember the one Father alone. Become a constant yogi by making your mind and intellect work systematically according to your orders with the mantra of "Manmanabhav".

Dharna: Baba says: Make this effort: I am a soul, not a body. I am claiming my inheritance from Baba. Always maintain the intoxication that God is teaching you. This student life of ours is the best.

By making effort we are becoming Narayan from ordinary human beings, so make the effort for going to heaven. The Father says: Children, you have to conquer those vices because only then will you become conquerors of the world.

Make effort while keeping your aim and objective in front of you. Look at the picture of Lakshmi and Narayan in front of you and talk to yourself: Oho Baba! You are making me become like them. We now have the omens of Jupiter over us. Become a master world teacher. Do not make time your teacher.

Service: You children also have to give the Father's message. Tell everyone that they have two fathers. You can do a lot of service using the picture of this aim and objective.

In order to make others the same as yourself, continue to buzz knowledge like a buzzing moth. Become a helper of God and help the Father establish heaven. The more you help the higher status you can claim.

Points of Self Respect: We, the children of the Father, the Messenger, who give everyone the message....the constant yogis...sensible...God's helpers...the sweet sweet children...the sweet beloved children...the Brahmins of the confluence age...the incognito warriors...the Shiv Shakti Army...the conquerors of the world..... the Yogeshwars and Yogeshwaris ... the Gyaneshwars and Gyaneshwaris...the Raj-Rajeshwaris...are the masters of the world...the masters of Paradise...and the masters of heaven...

ॐ शान्ति दिव्य फरिश्ते !!!

विचार सागर मंथन: January 09, 2014

बाबा की महिमा : सदैव राइटियस... योगेश्वर... रूहानी बाप... बेहद का बाप....
ज्ञान का सागर... प्रेम का सागर... पैगम्बर... हैं...

ज्ञान : यह है ज्ञान कटारी, ज्ञान बाण ।

कृष्ण को भी योगेश्वर कहते हैं । इनको योगेश्वर ने योग सिखाया तो यह बना ।
तुमको ईश्वर योग सिखाते हैं इसलिए योगेश्वर और योगेश्वरी नाम रखा है ।
ज्ञानेश्वर ज्ञानेश्वरी भी इस समय तुम ही हो । फिर जाकर राज-राजेश्वर भी तुम ही बनते हो ।

योग : आत्म-अभिमान को छोड़ो । ऐसे नहीं बुद्धि बाहर में भटकती रहे । एक बाप को ही याद करना है ।

मन्मनाभव मन्त्र से मन-बुद्धि को ऑर्डर प्रमाण विधिपूर्वक कार्य में लगाने कर निरन्तर योगी बनो ।

धारणा : बाबा कहते हैं यह पुरुषार्थ करो – मैं आत्मा हूँ शरीर नहीं । मैं बाबा से वर्सा लेता हूँ । सदा इसी नशे में रहो कि भगवान हमको पढ़ाते हैं, हमारी यह स्टूडेंट लाइफ़ दी बेस्ट है ।

हम नर से नारायण विश्व के मालिक बनते हैं, तो स्वर्ग में जाने का पुरुषार्थ करना है । बाप कहते हैं बच्चे तुम्हें इन विकारों पर जीत पानी है तब ही जगतजीत बनेंगे ।

एम आब्जेक्ट को सामने रख पुरुषार्थ करो । लक्ष्मी-नारायण के चित्र के सामने देखते हुए अपने आपसे बातें करो अहो बाबा आप हमें ऐसा बनाते हैं! हमारे ऊपर अभी बृहस्पति की दशा बैठी है । मास्टर विश्व शिक्षक बनो, समय को शिक्षक नहीं बनाओ ।

सेवा : तुम बच्चों को बाप का पैगाम देना है । सबको बोलो दो बाप हैं । इस एम आब्जेक्ट के चित्र पर तुम बहुत सर्विस करनी है ।

आप समान बनने के लिए भ्रमरी की तरह ज्ञान की भूँ-भूँ करो । खुदाई खिदमतगार बन स्वर्ग की स्थापना में बाप के मदद करो । जो जास्ती मदद करेंगे वह ऊँच पद पायेंगे ।

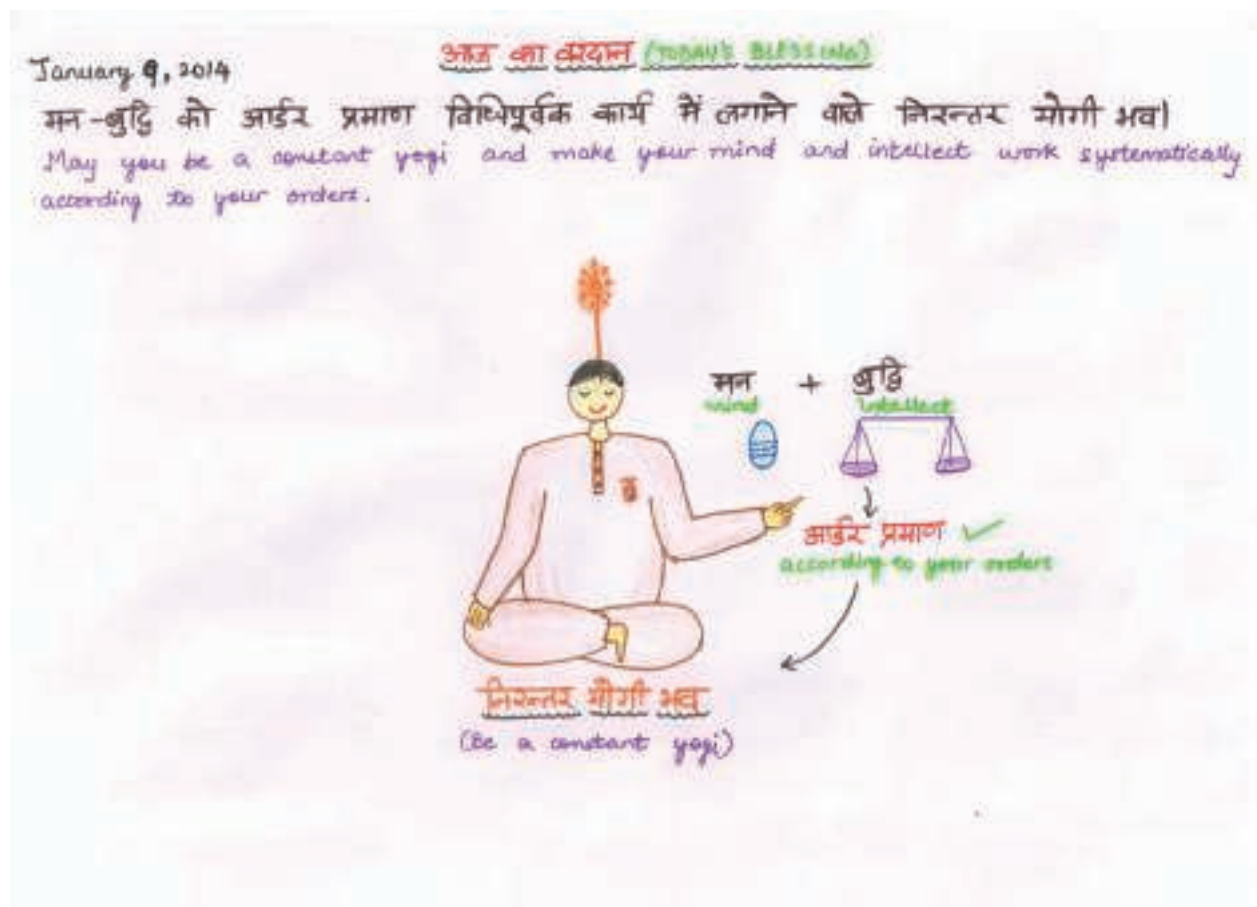
स्वमान : हम पैगम्बर बाप के बच्चे पैगाम देने वाले निरन्तर योगी... समझदार... खुदाई खिदमतगार... मीठे-मीठे बच्चे... मीठे लाडले बच्चे... ब्राह्मणियाँ... गुप्त वारियर्स... शिव शक्ति सेना... जगतजीत... संगमयुगी ब्राह्मण ... योगेश्वर और योगेश्वरी... ज्ञानेश्वर ज्ञानेश्वरी... राज-राजेश्वर... विश्व के मालिक... वैकुण्ठ के मालिक... स्वर्ग का मालिक ... हैं!

Video of Murli Essence:

<http://www.youtube.com/watch?v=EbsWnvSj1XA>

Song; Tu pyar ka sagar hai: You are the Ocean of Love, we thirst for one drop.

<http://www.youtube.com/watch?v=jmEyMCgIRgY&playnext=1&list=PL5FBB5FD0965ED5E9>



09-01-2014:

Essence: Sweet children, always maintain the intoxication that God is teaching you. This student life of ours is the best. We have the omens of Jupiter over us.

Question: Which children receive a lot of love from everyone?

Answer: Those who become instruments to benefit many. Those who benefit would say: You are my mother. So, check yourself to see how many you bring benefit to. To how many souls do you give the Father's message? The Father is the Messenger. You children also have to give the Father's message. Tell everyone that they have two fathers. Remember the unlimited Father and the inheritance.

Song: You are the Ocean of Love. We thirst for one drop!

Essence for Dharna:

1. Make effort while keeping your aim and objective in front of you. Look at the picture of Lakshmi and Narayan in front of you and talk to yourself: Oho Baba! You are making me become like them. We now have the omens of Jupiter over us.

2. In order to make others the same as yourself, continue to buzz knowledge like a buzzing moth. Become a helper of God and help the Father establish heaven.

Blessing: May you be a constant yogi and make your mind and intellect work systematically according to your orders! A constant yogi has the special means to become a master of the self, one with all rights over the mind and intellect. The mantra you have is "Manmanabhav". Yoga is said to be yoga of the intellect. If you have these special pillars under your control, that is, if they are working systematically under your orders, then you are able to create whatever type of thought you want whenever you want and you are able to focus your intellect wherever you want because the intellect does not make you, the king, wander. If they are working systematically, you would then be said to be a constant yogi.

Slogan: Become a master world teacher. Do not make time your teacher.

09-01-2014:

सार :- मीठे बच्चे – सदा इसी नशे में रहो कि भगवान हमको पढ़ाते हैं, हमारी यह स्टूडेंट लाइफ़ दी बेस्ट है, हमारे ऊपर बृहस्पति की दशा है ।

प्रश्न:- किन बच्चों को सभी का प्यार प्राप्त होता है?

उत्तर:- जो बहुतों के कल्याण के निमित्त बनते हैं, जिनका कल्याण हुआ वह कहेंगे तुम तो हमारी माता हो । तो अपने आपको देखो हम कितनों का कल्याण करते हैं? बाप का मैसेज कितनी आत्माओं को देते हैं? बाप भी पैगम्बर है । तुम बच्चों को भी बाप का पैगाम देना है । सबको बोलो दो बाप हैं । बेहद के बाप और वर्से को याद करो ।

गीत:- तू प्यार का सागर है....

धारणा के लिए मुख्य सार :-

1. एम आब्जेक्ट को सामने रख पुरुषार्थ करो । लक्ष्मी-नारायण के चित्र के सामने देखते हुए अपने आपसे बातें करो अहो बाबा आप हमें ऐसा बनाते हैं! हमारे ऊपर अभी बृहस्पति की दशा बैठी है ।
2. आप समान बनने के लिए भ्रमरी की तरह ज्ञान की भूं-भूं करो । खुदाई खिदमतगार बन स्वर्ग की स्थापना में बाप के मदद करो ।

वरदान:- मन-बुद्धि को ऑर्डर प्रमाण विधिपूर्वक कार्य में लगाने वाले निरन्तर योगी भव !

निरन्तर योगी अर्थात् स्वराज्य अधिकारी बनने का विशेष साधन मन और बुद्धि है । मन्त्र ही मन्मनाभव का है । योग को बुद्धियोग कहते हैं । तो अगर यह विशेष आधार स्तम्भ अपने अधिकार में है अर्थात् ऑर्डर प्रमाण विधि-पूर्वक कार्य करते हैं । जो संकल्प जब करना चाहो वैसा संकल्प कर सको, जहाँ बुद्धि को लगाना चाहो वहाँ लगा सको, बुद्धि आप राजा को भटकाये नहीं । विधिपूर्वक कार्य करे तब कहेंगे निरन्तर योगी ।

स्लोगन:- मास्टर विश्व शिक्षक बनो, समय को शिक्षक नहीं बनाओ ।

